HINDUSTAN Page 6

राजकीय पक्षी की संख्या का पता लगाएगा लविवि

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

उत्तर प्रदेश की पहचान, यहां का राजकीय पक्षी 'सारस' कहां-कहां पाया जाता है और इसकी संख्या कितनी है? इसका पता अब लखनऊ विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ लगाएंगे। वन विभाग ने इसकी जिम्मेदारी लविवि की प्रो. अमिता कनौजिया को सौंपी है। अगले कुछ महीनों में दो बार प्रदेश भर में सारस की गिनती की जाएगी। इसके आधार पर दिसम्बर के बाद इनका मैप तैयार किया जाएगा। जानकारों की मानें तो, इतने बड़े स्तर पर पहली बार इस तरह की गणना की जा रही है।

प्रो. अमिता कनौजिया ने बताया कि इसके लिए सभी जिलों के वन अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अगस्त के पहले सप्ताह में पूरे यूपी में एक दिन में गिनती की जाएगी। यह इनका ब्रीडिंग सीजन है। दिसम्बर में दूसरे चरण की गणना होगी। उसके आधार पर प्रदेश में सारस की स्थिति पर एक मैप तैयार किया जाएगा।

गिर रही है संख्या : प्रदेश के राजकीय पक्षी सारस की तादाद लगातार गिर रही है। सारस के साथ दुर्घटना का सबसे बड़ा कारण करंट है। दूसरी तरफ इनके वेटलैंड का स्वरूप भी लगातार बिगड़ रहा है। एक आंकड़े के मुताबिक, प्रदेश में इटावा जिले में सबसे अधिक सारस पाए जाते हैं।

गिद्धों की भी गिनती होगी

सारस के साथ गिद्ध की गिनती करने की जिम्मेदारी भी प्रो. अमिता कनौजिया को सौंपी गई है। प्रो. कनौजिया ने बताया कि अगस्त में सारस की गिनती के बाद सितम्बर माह में गिद्धों की गणना की जाएगी।

DAINIK JAGRAN Page 5

कोरोना संदिग्ध भी दे सकेंगे बीएड प्रवेश परीक्षा

जासं, लखनऊ : कोरोना संदिग्ध भी लविवि द्वारा आयोजित होने वाली बीएड की संयुक्त प्रवेश परीक्षा में भाग ले सकेंगे। इसके लिए लविवि ने आइसोलेशन रूम की व्यवस्था की है। बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा कि राज्य समन्वयक प्रो .अमिता वाजपेयी ने बताया कि इस बार करीब 4 लाख 31 हजार 904 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

AMRIT VICHAR PAGE 3

विश्वविद्यालय में सैनिटाइजेशन का कार्य जारी

अमृत विचार लखनऊ

कोविड- 19 के जद में आने के बाद भी विश्वविद्यालय के कर्मचा रियों और अधिकारियों की को रो ना की जांच नहीं शुरू हो पा रही है। जबकि इस संबंध विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक रा य की ओर से मांग गयी थी कि विश्वविद्यालय के सभी क र्मचारियों और प्रोफेसरों की जांच करायी जाये।

वि श्वविद्यालय प्रशासन की ओर से सीएमओ नरेन्द्र अग्रवाल से भी बातचीत की गयी लेकिन सीएमओ ने हाथ खड़े कर दिए है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बताया पहले उन्हें आवश्वास न मिला कि जांच के लिए कैंप लगाया जायेगा लेकिन बाद में फिर मना कर दिया गया। ऐसे में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर व कर्मचारी अधिकारी विश्वविद्यालय आकर काम करने से डर रहे हैं। बता दें कि

कोरोना का कहर

- **प्रोफेसरों और कर्मचारियों को विश्वविद्यालय आने में हो रही घबराहट**

बीते सोमवार को विश्वविद्यालय की ओर से सीएमओ को पत्र लिखकर सभी कर्मचारियों की कोरोना जांच कराये जाने की मांग की गयी लेकिन जांच नहीं शुरू हो सकी। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्ताव ने बताया कि विश्वविद्यालय में सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को सावधानी बरतने आदेश जारी किए गये है। विश्वविद्यालय में कुलसचिव विनोद सिंह के कोरोना पाजिटिव मिलने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन अब सभी की कोरोना जांच कराये जाने का निर्णय लिया था।

पीआरओ की निगरानी में शुरू हुआ सैनिटाइजेशन

लखनऊ विश्वविद्यालय में पीआरओ डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव की निगरानी में नियमित सैनिटाइजेशन का कार्य जारी है। पीआरओ ने बताया कि प्रशासनिक हाल से लेकर सभी विभागों में नियमित सफाई जारी है, साथ सैनिटाईजेशन भी रखवाया गया है। उन्होंने बताया कि सभी कर्मचारी मास्क लगाकर आये इस संबंध में गाइडलाइन भी जारी की गयी है।

करीब सौ लोगों की होनी है जांच

लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रोफेसर और कर्मचारियों समेत करीब 100 लोगों की जांच की मांग सीएमओ से की गयी थी लेकिन जांच नहीं शुरू हो पायी। यहां प्रशासनिक भवन कोरोना पॉजीटिव पहले एक कर्मचारी उसके बाद फिर रजिस्टार कोरोना पॉजीटिव हो गये थे।